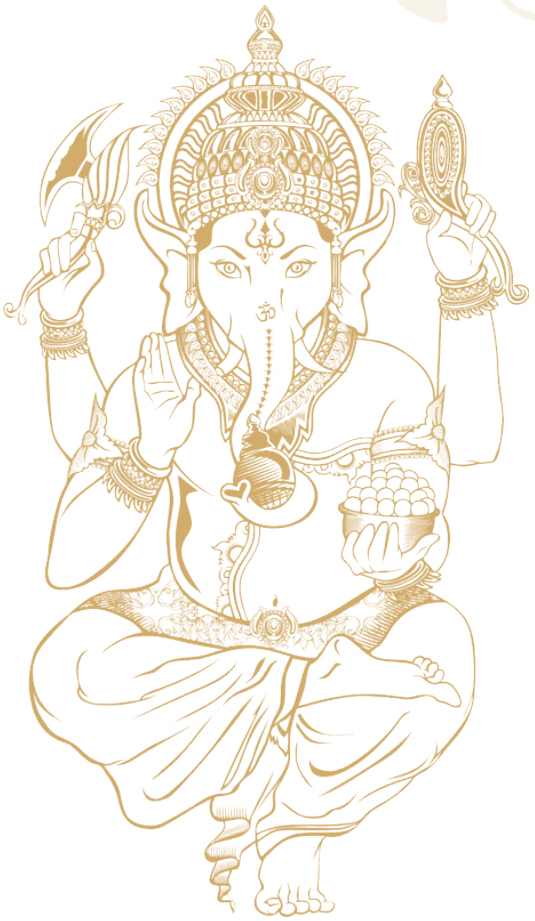

Mr.I

Ms.k

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119186908

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/01/1995	जन्म तिथि	31-01/09/2002
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 20:15:00	जन्म समय	04:12:00 घंटे
घटी 31:47:31	जन्म समय(घटी)	55:19:12 घटी
India	देश	India
Jammu	स्थान	Udhampur
32:42:00 उत्तर	अक्षांश	32:56:00 उत्तर
74:52:00 पूर्व	रेखांश	75:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:32	स्थानिक संस्कार	-00:29:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:31:59	सूर्योदय	06:03:02
17:50:14	सूर्यास्त	18:56:05
23:47:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 8वर्ष 4मा 15दि		07:04:08	सिंह	लग्न	कर्क	20:19:06	मंगल 6वर्ष 7मा 3दि	
मंगल		06:16:57	मक	सूर्य	सिंह	14:27:11	राहु	
07/06/2019		21:04:55	सिंह	चंद्र	वृष	24:06:41	04/04/2009	
07/06/2026		06:48:01	सिंह व	मंगल	सिंह	07:35:49	05/04/2027	
मंगल	03/11/2019	24:55:39	मक	बुध	कन्या	11:34:15	राहु	16/12/2011
राहु	21/11/2020	14:38:49	वृश्चि	गुरु	कर्क	12:35:49	गुरु	11/05/2014
गुरु	28/10/2021	19:34:23	वृश्चि	शुक्र	तुला	00:02:11	शनि	17/03/2017
शनि	06/12/2022	16:02:34	कुंभ	शनि	मिथु	03:43:52	बुध	04/10/2019
बुध	04/12/2023	17:12:20	तुला व	राहु व	वृष	19:56:30	केतु	22/10/2020
केतु	01/05/2024	17:12:20	मेष व	केतु व	वृश्चि	19:56:30	शुक्र	23/10/2023
शुक्र	01/07/2025	02:49:54	मक	हर्ष व	कुंभ	02:29:41	सूर्य	15/09/2024
सूर्य	06/11/2025	29:31:03	धनु	नेप व	मक	14:55:29	चन्द्र	17/03/2026
चन्द्र	07/06/2026	06:17:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	21:01:09	मंगल	05/04/2027

लग्न-चलित

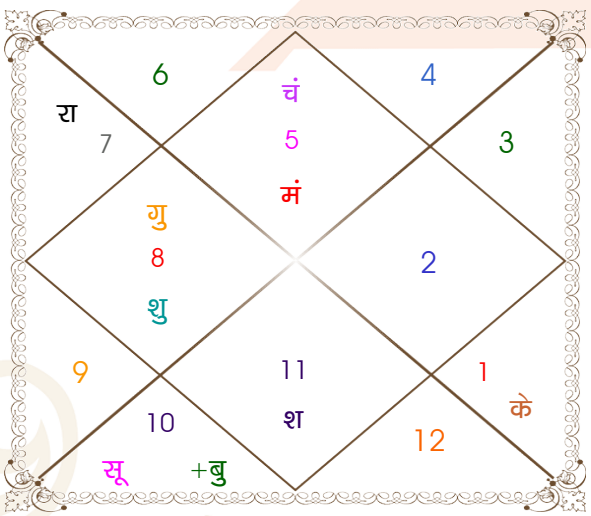

लग्न-चलित

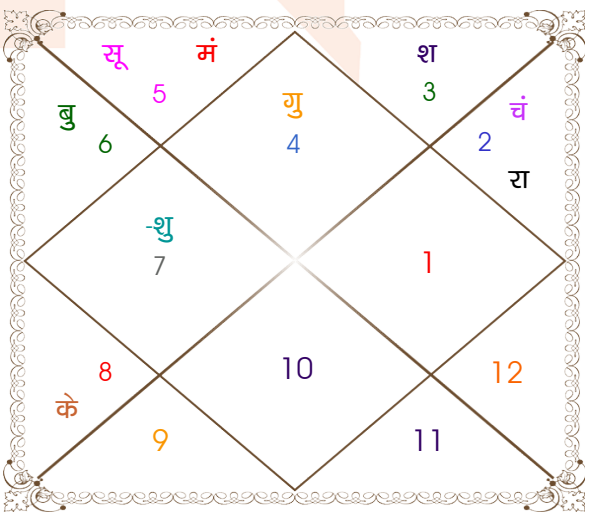

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.k का नक्षत्र मृगशिरा है।

Mr.I का वर्ग श्वान है तथा Ms.k का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.I और Ms.k का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.I मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.I कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.k मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.k कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.I तथा Ms.k में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।